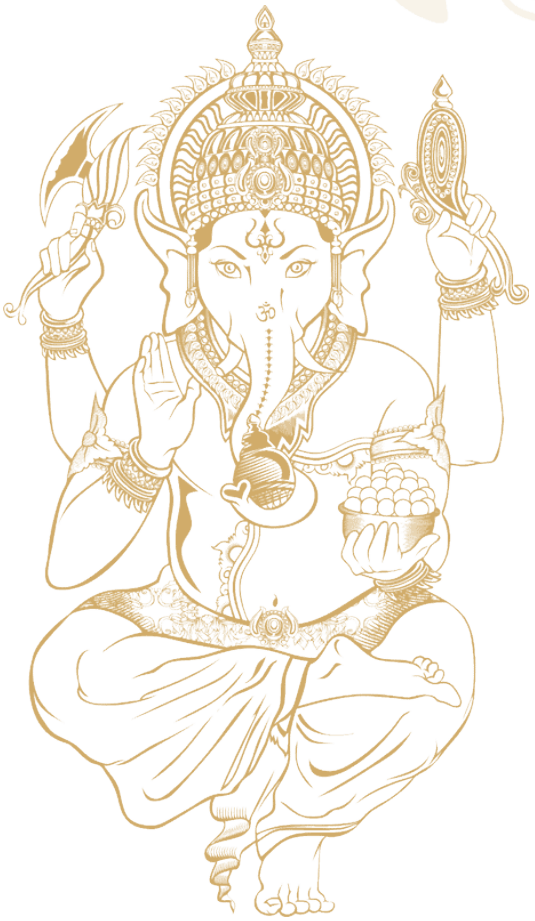

Mr.

13 Mar 2026

12:25 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121572102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:25:00 घंटे**
इष्ट	14:38:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:27:34 घंटे
सूर्योदय	06:33:37 घंटे
सूर्यास्त	18:28:07 घंटे
दिनमान	11:54:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:28:40 कुम्भ
लग्न के अंश	10:51:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	10:51:07	323:52:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	28:28:40	00:59:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	19:13:29	12:08:24	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:11:58	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	17:11:10	00:45:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:12	00:00:25	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:16:35	01:14:29	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	08:59:34	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:40:28	00:01:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:40:28	00:01:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:49:57	00:01:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:16:18	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:37:08	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	26:57:05	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

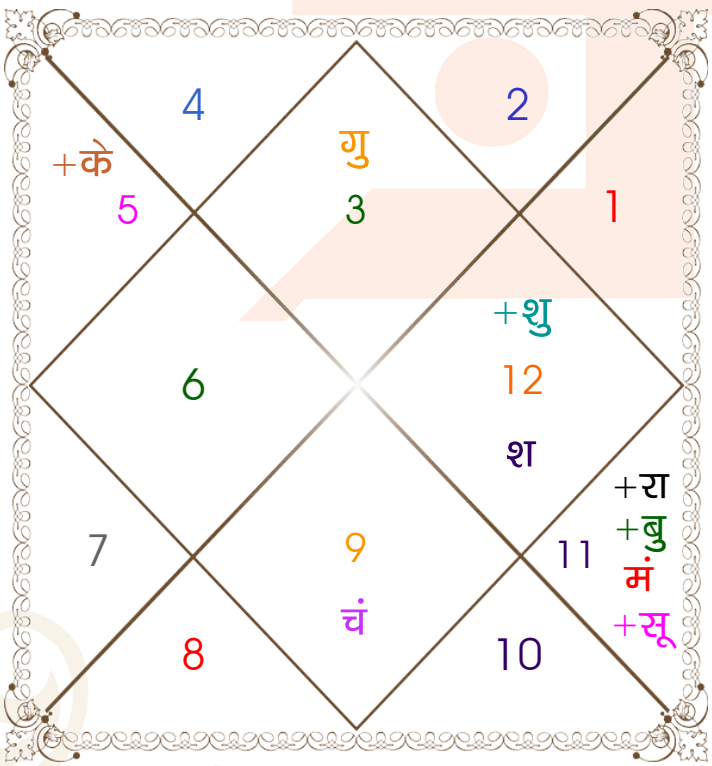

चन्द्र कुंडली

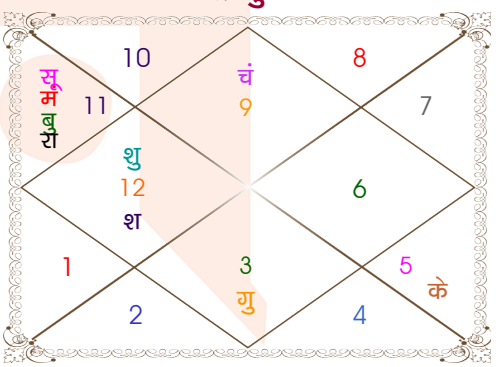

नवमांश कुंडली

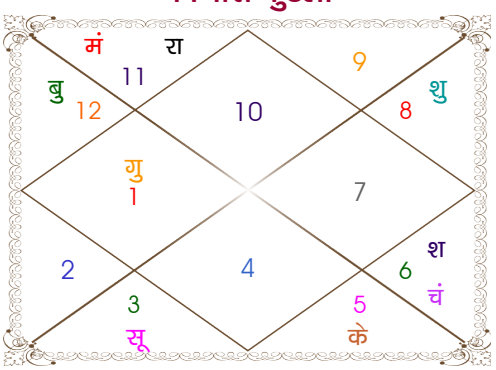

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 1 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/03/2026		11/05/2037		12/05/2043		11/05/2053		11/05/2060	
11/05/2037		12/05/2043		11/05/2053		11/05/2060		12/05/2078	
	00/00/0000	सूर्य	29/08/2037	चंद्र	11/03/2044	मंगल	07/10/2053	राहु	22/01/2063
	00/00/0000	चंद्र	28/02/2038	मंगल	10/10/2044	राहु	26/10/2054	गुरु	17/06/2065
	00/00/0000	मंगल	05/07/2038	राहु	11/04/2046	गुरु	02/10/2055	शनि	23/04/2068
	13/03/2026	राहु	30/05/2039	गुरु	11/08/2047	शनि	10/11/2056	बुध	10/11/2070
राहु	12/07/2027	गुरु	17/03/2040	शनि	11/03/2049	बुध	07/11/2057	केतु	29/11/2071
गुरु	12/03/2030	शनि	27/02/2041	बुध	11/08/2050	केतु	05/04/2058	शुक्र	28/11/2074
शनि	11/05/2033	बुध	04/01/2042	केतु	12/03/2051	शुक्र	05/06/2059	सूर्य	23/10/2075
बुध	11/03/2036	केतु	12/05/2042	शुक्र	10/11/2052	सूर्य	11/10/2059	चंद्र	23/04/2077
केतु	11/05/2037	शुक्र	12/05/2043	सूर्य	11/05/2053	चंद्र	11/05/2060	मंगल	12/05/2078

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/05/2078		12/05/2094		12/05/2113		13/05/2130		12/05/2137	
12/05/2094		12/05/2113		13/05/2130		12/05/2137		00/00/0000	
गुरु	29/06/2080	शनि	14/05/2097	बुध	09/10/2115	केतु	09/10/2130	शुक्र	11/09/2140
शनि	10/01/2083	बुध	23/01/2100	केतु	05/10/2116	शुक्र	09/12/2131	सूर्य	11/09/2141
बुध	17/04/2085	केतु	03/03/2101	शुक्र	06/08/2119	सूर्य	15/04/2132	चंद्र	13/05/2143
केतु	24/03/2086	शुक्र	03/05/2104	सूर्य	12/06/2120	चंद्र	14/11/2132	मंगल	12/07/2144
शुक्र	22/11/2088	सूर्य	15/04/2105	चंद्र	11/11/2121	मंगल	12/04/2133	राहु	14/03/2146
सूर्य	10/09/2089	चंद्र	14/11/2106	मंगल	08/11/2122	राहु	30/04/2134		00/00/0000
चंद्र	10/01/2091	मंगल	24/12/2107	राहु	28/05/2125	गुरु	06/04/2135		00/00/0000
मंगल	17/12/2091	राहु	30/10/2110	गुरु	02/09/2127	शनि	15/05/2136		00/00/0000
राहु	12/05/2094	गुरु	12/05/2113	शनि	13/05/2130	बुध	12/05/2137		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 1 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नही लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते है। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृति के प्रति सतर्क नही रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते है।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रूचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध है तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी है। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नही करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म

सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नही रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्जवलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नही होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ्य रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।